किसी को कोई भ्रम. शका हो तो उसको यह मानवता—धर्म समझा कर उसे दूर करें।

;मेरे लिए ता यह पूरी दुनिया के धर्म मानवता—धर्म. के ही हैं। सब मनुष्य भाई—भाई हैं. बस भाषा व जीवन शैली अलग—अलग है। जैसे आज के वैज्ञानिको ने आपस में मिलकर एक—दूसरे से विज्ञान सीखकर कितनी तरक्की की है। उसी प्रकार धर्म—कर्म का काम करने वाले इस बात को समझकर अपना अनुभव करें और मानवता को आपस में मिलकर जीना सिखायें। यह काम मैं अकेला नहीं कर सकता। आप सभी धर्मगुरू पहले एक देश के इक्टठ्ा होकर बात समझे फिर दूसरे देशों के धर्म कर्म वाले गुरू पीरों से मिलें और उनको साथ लें यह काम आप तभी कर सकेंगे जब पहले खुद योग—विधि से योग साधन का अनुभव कर लें फिर हम दूसरे गुरू पीरों से मिलें—जुले और प्रेम बढाए। मैंने ऐसा देखा है कि इन पूज्य गुरू. महात्माओं में इतना अहंकार है। एक ही सम्प्रदाय के गुरू आपस में कभी मिलते नहीं है और वे अपने आपको खुदा समझे बैठे हैं। इनको अपना मरना तो दिखता नहीं है. दूसरों को जरूर देखते हैं।

मैने अपने जीवन में कोई आश्रम नहीं बनाया और नही कोई शिष्य सिवाय डा० कमला के। मेरे गुरू महाराज के आश्रम में जो भी महात्मा गुरू गद्दी पर बैठता है. उसी का मैं आदर सम्मान करमा हूं। दूसरे जो भी गुरू हैं चाहे वे किसी भी सम्प्रदाय के हो उनके शिष्य जब मेरे संपर्क में आते है तो उनको जो वें समझना चाहते हैं. समझा देता हूं और उन्हे उनके ही गुरू क पास रहने की आज्ञा देता हूं. जिनसे उन्होनें नाम लिया हुआ होता है। और जो नए लोग मेरे से प्रभावित होते हैं उनको भी अपना शिष्य न बनाकर जहां उनका विश्वास हो भेज देता हूं और रहस्य बता देता हूं। अर्थात् मैं सभी अन्य गुरूओं के शिष्यों को जो मुझसे प्रभावित होता हैं. अपनी तरफ आकर्षित न करके .रहस्य समझा कर उनका उन्हीं गुरूओं में विश्वास बना देता हूं। क्योंकि धर्म केवल विश्वास का विषय है न तो मैं किसी को कुछ देता हूं और न ही कोई दूसरा गुरू देता है। यह तो शिष्य के ही आस. विश्वास व श्रध्दा का फल उसको मिलता है। बाहरी गुरू केवल जीवन गुजारने का ढंग व संस्कार देता है। वास्तविकता यह है कि मनुष्य स्वयं पूर्ण है। सारी शक्ति उसी के अन्दर है। सतगुरू उसे यह निश्चय करा देता है कि गुरू बाहर नहीं तुम्हारे अन्दर हैं। जैसे कहा है—

घर मे घर दिखलाय दे सो सतगुरू पुरूष महान।

इन महात्माओं ने बात को पर्दे में रखकर लागों को अपने मतलब. मान प्रतिष्ठा व पन्थ के लिए अपने पीछे लगाया हुआ है।